C M Y K

साप्ताहिक

Title Code:- MPHIN/36648

नर्मदा समय

संपादकः- प्रताप सिंह वर्मा

वर्ष : 01 अंक : 02 इटारसी , सोमवार 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर-2022 पृष्ठ : 0 8 मूल्य : 0 5 रुपए

विल्स क्लब यादव समाज ने चाणक्य कप जीता

एकता समरसता का प्रतीक बना आचार्य चाणक्य कप क्रिकेट आयोजन - पं जितेंद्र ओझा

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। एकता और समरसता का प्रतीक बना आचार्य चाणक्य कप क्रिकेट टूर्नामेंट सर्व ब्राह्मण समाज के द्वारा ऐतिहासिक रूप से आयोजित हुआ। आयोजन में 28 समाज की टीमों के बीच मुकाबला इटारसी शहर को देखने को मिला।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला भारतीय क्लब मुस्लिम समाज और विल्स क्लब यादव समाज के बीच हुआ । जिसमें कांटे के मुकाबले में विल्स क्लब यादव समाज ने रोमांचक जीत हासिल की। फाइनल मैच में भारतीय क्लब मुस्लिम समाज ने टॉस जीतकर विल्स क्लब यादव समाज को बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। विल्स क्लब यादव समाज 9.5 ओवर मैं 69 रन पर आल आऊट हो गई। आचार्य चाणक्य कप ट्राफी जीतने का लक्ष्य लक्ष्य भारतीय क्लब मुस्लिम समाज को 69 रनों का मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुस्लिम समाज की टीम को कड़ा संघर्ष मिला यादव समाज की अच्छी बॉलिंग के कारण वह 10 ओवर में 7 विकेट पर 57 रन ही बना सकी। नतीजतन विल्स क्लब यादव समाज ने यह मैच में 12 रनों से जीत दर्ज कर 2022 की ट्राफी अपने नाम की । मैन ऑफ द मैच आकाश यादव रहे जिन्होंने बल्लेबाजी करते हुए महत्वपूर्ण 9 गेंद में 17 रन एवं बॉलिंग करते हुए 3 रन देकर 1 विकेट लिया। इसके पूर्व 2 सेमीफाइनल हुए थे जो कि अखंड भारत निर्माता कुर्मी समाज और विल्स क्लब यादव समाज के बीच हुए जिसमें तीन विकेट से विल्स क्लब यादव समाज ने फाइनल में जगह बनाई एवं दूसरा सेमीफाइनल भारतीय क्लब मुस्लिम समाज और चाणक्य इलेवन ब्राह्मण समाज के बीच हुआ था जिसमें भारतीय क्लब मुस्लिम समाज 4 विकेट से विजय हुआ था। टूर्नामेंट के बेस्ट बैट्समैन तरुण चौधरी अखंड भारत निर्माता क्लब के रहे । बेस्ट विकेट कीपर रवि यादव विल्स क्लब से रहें । बेस्ट बॉलर अफसर बाबा भारतीय क्लब से रहे। बेस्ट फील्डर अभिदान पीटर क्रिश्चयन समाज से रहे वेस्ट कैच नीलेश भट्ट चाणक्य इलेवन से रहे, हाईएस्ट सिक्स तरुण चौधरी अखंड भारत निर्माता रहें, मैन ऑफ द सीरीज मजीद खान भारतीय क्लब से रहे जिन्होने टूर्नामेंट में कुल 131 रन बनाकर शानदार फील्डिंग की बदौलत 16 कैच लिए थे।

अतिथियों, 28 समाज के कप्तानों एवं सहयोगी साथियों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे एवं विशेष अतिथियों द्वारा 28 समाज के कप्तानों को स्वर्गीय गिरीश जोशी की स्मृति में ट्रॉफी द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही टूर्नामेंट के सच्चे सहयोगीयों को चाणक्य सर्वधर्म सद्भाव समिति द्वारा सम्मानित किया गया जिनमें अयम दुबे, प्रकाश दुबे, धर्मेंद्र रणसूरमा, जितेंद्र राजपूत, राहुल वैष्णव, शोएब खान, कुलदीप रघुवंशी, विवेक दुबे, दिनेश उपाध्याय, शरद दीक्षित, राजीव दुबे, भानु जोशी, शिवम शर्मा, अल्लू जोशी, एडवोकेट संतोष शर्मा, निक्की पटेल, मनीष सेतपलानी राकेश तिवारी शामिल थे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि में पूर्व मंत्री विजय दुबे काकू भाई, क्रिकेट लीजेंड अनुराग मिश्रा, समाजसेवी आरती शर्मा, पुलिस अधिकारी दिनेश जोशी, पार्षद राहुल प्रधान आदि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आचार्य चाणक्य कप क्रिकेट समिति के अध्यक्ष कुलभूषण मिश्रा ने आयोजन को अभूतपूर्व बताकर इटारसी के क्रिकेट प्रेमियों को धन्यवाद दिया। टूर्नामेंट के सूत्रधार एवं सर्व ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष पं जितेंद्र ओझा ने इस प्रतियोगिता को इटारसी की एकता अखंडता बनाए रखने के लिए ऐतिहासिक बताया उन्होंने कहा कि जब से यह टूर्नामेंट प्रारंभ हुआ है तब से इटारसी शहर की समरसता बढ़ी है सभी समाज के लोग एक दूसरे के दोस्त बन गए हैं किसी के भी बीच वैमनस्यता नहीं है, समाजों का आपसी टकराव बंद हो गया हैं।

मुख्यमंत्री और क्रिकेटर गौतम गंभीर ने विजयासन देवी की पूजा अर्चना की

नर्मदा समय /प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं पूर्व क्रिकेटर एवं सांसद गौतम गंभीर तथा श्रीमती साधना सिंह ने सलकनपुर मंदिर पहुंचकर देवी विजयासन की पूजा अर्चना की तथा देश प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

स्टेडियम मे भव्य स्वागत

मुख्यमंत्री श्री चौहान, पूर्व क्रिकेट एवं गौतम गंभीर, श्रीमती साधना सिंह चौहान खुली जीप मे स्टेडियम मे बैठे दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते रहे और दर्शकों द्वारा लगातार पुष्प वर्षा करते रहे। सभी दर्शकों ने मोबाइल का टार्च चालू कर स्वागत किया तब स्टेडियम का रोशनी से जगमगा उठा।

अतिथियों ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया। श्री चौहान और श्री गंभीर ने बैटिंग कर मैच का शुभारंभ किया। स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा था। स्टेडियम मे दस जहर से अधिक दर्शक मौजूद थे।

जगह जगह स्वागत

सलकनपुर से रेहटी जाते समय जगह जगह भव्य स्वागत किया गया। स्वागत के दौरान हर कोई सेल्फी लेते नजर आए। दो किलोमीटर लंबे रास्ते मे पुष्प वर्षा और फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। सभी गौतम गंभीर की एक झलक पाने को आतुर दिखे।

खरीदी केंद्रों पर किसानों को कोई असुविधा ना हो : प्रभारी मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह

नर्मदा समय, प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। खनिज साधन एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह 18 दिसंबर को जिले के प्रवास रहें। इस दौरान उन्होंने कृषि उपज मंडी नर्मदापुरम में स्थित धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने यहां किसानों से भी रूबरू चर्चा कर व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने केंद्र पर खरीदी गई धान की गुणवत्ता का भी अवलोकन किया। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने उपार्जन संबंधी अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में सुचारू रूप से धान का उपार्जन, परिवहन एवं भण्डारण किया जाए। केंद्रों पर किसानों को कोई असुविधा ना हो इसका विशेष ध्यान रखें। केंद्रों पर बैठने के लिए कुर्सी, छाव आदि व्यवस्थाओं के साथ स्वल्प आहार के रूप में गुड़ चने की व्यवस्था भी किसानों के लिए की जाए। समस्त खरीदी केंद्रों पर चाक चौबंद व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। केंद्रों पर तौल काटो की संख्या बढ़ाए। उपार्जन संबंधी अधिकारी एवं राजस्व का अमला निरंतर खरीदी केंद्रों का भ्रमण करे। किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल निराकरण किया जाए।

C M Y K

संपादकीय

जीत का जज्बा

यह बात इस बार के फीफा विश्वकप में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी ने साबित कर दिखाया। वे अपनी टीम के साथ विश्व कप जीतने के संकल्प के साथ ही पहुंचे थे। हालांकि हर टीम जीतने के इरादे के साथ ही खेल के मैदान में उतरती है और उसके लिए अपनी सारी ताकत झोंक देती है। मगर मेस्सी ने विश्वकप शुरू होने से पहले ही एक तरह से संकेत दे दिया था कि इस बार की प्रतिस्पर्धा उनके लिए प्रतिष्ठा से जुड़ी है। विश्वकप से संन्यास की घोषणा भी उन्होंने पहले ही कर दी थी। इसलिए दुनिया भर के खेल प्रेमियों की भावना उनसे जुड़ गई थी। सब यही चाहते थे कि मेस्सी की टीम जीते और वे एक शानदार पारी खेल कर विदा हों। मगर अर्जेंटीना के सामने फ्रांस की टीम एक बड़ी चुनौती थी। वह पिछली बार की विश्वकप विजेता थी और उसने दुबारा यह खिताब अपने नाम करने के लिए कड़ी मेहनत की थी। उसके खिलाड़ियों ने अपनी रणनीतिक कुशलता से अर्जेंटीना के लिए हर कदम पर मुश्किलें खड़ी की। मगर मेस्सी की नेतृत्व कुशलता की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने अपनी टीम का मनोबल कमजोर नहीं होने दिया और एक तरह से हारती हुई बाजी अपनी मुट्ठी में कर ली। निस्संदेह मेस्सी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबाल खिलाड़ियों में हैं। उन्होंने फुटबाल के खेल में कई कीर्तिमान बनाए हैं। सात बार वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रह चुके हैं। मगर उन्हें इस बात का मलाल जीवन में बना हुआ था कि वे अपने देश को विश्वकप नहीं दिला सके। इसी टीस ने शायद उनमें इस बार का विश्वकप जीतने का जज्बा भरा था और आखिरकार वे अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को छत्तीस साल बाद विश्वकप दिलाने में कामयाब हुए। पेले और डिएगो माराडोना के बाद वे पहले ऐसे फुटबाल खिलाड़ी हैं, जिनका जादू पूरी दुनिया के खेल प्रेमियों के सिर चढ़ कर बोला। उनके हर गोल पर जश्न मना। वर्षों से मेस्सी की तुलना अर्जेंटीना के फुटबाल खिलाड़ी माराडोना से की जा रही थी कि दोनों में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कौन है। हालांकि दोनों के खेलने के अपने अंदाज रहे हैं, मगर माराडोना के साथ एक कीर्तिमान यह जुड़ा हुआ था कि उनकी कप्तानी में अर्जेंटीना ने विश्वकप जीता था। फिर यह भी कहा जाता था कि माराडोना देश के लिए ज्यादा जज्बे के साथ खेलते थे और मेस्सी बार्सीलोना के क्लब के लिए। जबकि मेस्सी के पास माराडोना से कहीं अधिक उपलब्धियां हैं। हालांकि किसी भी खेल में जीत-हार का फैसला खिलाड़ियों के प्रदर्शन से होता है, मगर जब किसी टीम के साथ दुनिया के खेल प्रेमियों की भावनाएं जुड़ जाती हैं, तो उस पर स्वाभाविक रूप से नैतिक दबाव बढ़ जाता है। अर्जेंटीना के साथ भी यही हुआ। वह न केवल इस नैतिक दबाव के साथ मैदान में उतरी थी कि उसे अपने कप्तान को शानदार तोहफा देकर विदा करना था, बल्कि दुनिया भर के फुटबाल प्रेमियों के भरोसे पर भी खरा उतरना था। इसमें वह कामयाब हुई। खेल का रोमांच अंत तक बना रहा। आखिरकार फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ, जिसमें मेस्सी ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। इस जीत से मेस्सी निस्संदेह दुनिया के फुटबाल इतिहास में जीवित किंवदंती बन गए हैं ।

शिक्षा से खिलवाड़ करने वाले शिक्षकों के दाग

नर्मदा समय, ललित गर्ग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने एवं तरह-तरह के कानूनों के प्रावधानों के बावजूद आजादी का अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र के शिक्षा के मन्दिर बच्चों पर हिंसा करने, पिटने, सजा देने के अखाड़े बने हुए है, शिक्षक अपनी मानसिक दुर्बलता एवं कुंठा की वजह से बच्चों के प्रति बर्बरता की हदें लांघ रहे हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार शिक्षा में अभिनव क्रांति करने का ढ़िढोरा पीट रही है, लेकिन अपने शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं पर सवार हिंसा की मानसिकता को दूर करने का कोई सार्थक उपक्रम नहीं कर पायी है। यही कारण है कि दिल्ली में एक प्राथमिक विद्यालय की एक शिक्षिका ने पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक बच्ची को न केवल बुरी तरह पीटा, बल्कि कैंची से वार करते हुए उसे पहली मंजिल से नीचे फेंक दिया। ऐसी क्रूर, हिंसक एवं बर्बर घटना को अंजाम देने वाली शिक्षिका को बच्चों को पढ़ाने-लिखाने लायक माना जा सकता है? बात केवल दिल्ली की नहीं है, देश के अन्य हिस्सों से ऐसे शिक्षकों के बेलगाम हिंसक बर्ताव की खबरें अक्सर आती रहती हैं, जिसमें किसी बच्चे को पीटने या यातना देने की अपनी कुंठा को ड्यूटी का हिस्सा समझ लिया जाता है। यह कैसी शिक्षा है एवं कैसे शिक्षक है। शिक्षक का पेशा पवित्रतम एवं आदर्श माना जाता है। यह इसलिए भी कि शिक्षक के माध्यम से ही बच्चों के भविष्य की नींव तैयार होती है। यह नींव ही उनके भविष्य को मजबूत बनाने का एवं राष्ट्र को उन्नत नागरिक देने का काम करती है। लेकिन जब इस पवित्र पेशे की गरिमा को आघात पहुंचाने का काम हिंसक एवं अनियंत्रित मानसिकता, कुंठित एवं क्रूर, लोभी प्रवृत्ति के शिक्षक करते हैं तो शिक्षा के संवेदनशीलता, जिम्मेदारी एवं समर्पण के गायब होते भाव पर चिंता होना स्वाभाविक है। आज के निजी विद्यालय अपने परीक्षा परिणाम को अव्वल लाने के लिये छात्रों पर तरह-तरह के गैरकानूनी प्रयोग करने की छूट शिक्षकों को दे देते हैं। दूसरी ओर अपने निजी लाभ के लिये शिक्षक छात्रों के परीक्षा परिणामों से छेडछाड करने, कक्षाओं में छात्रों के साथ भेदभाव करने, उनको बेवजह सजा देने का दुस्साहस भी करते हैं ताकि छात्र उन शिक्षकों से ट्यूशन लेने को विवश हो सके। ऐसे हिंसक एवं लोभी शिक्षकों को कानून ही उचित सजा दे सकती है। शिक्षा को नफा-नुकसान के नजरिए से देखने के मामले नये नहीं है। ऐसा ही मामला मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले में सामने आया है जिसमें अदालत के फैसले ने न केवल मध्यप्रदेश बल्कि समूचे देश के लिए नजीर भी पेश की है। बारह बरस पुराने मामले में इस जिले में एक स्कूल की महिला शिक्षक ने अपने शिक्षक पति की मदद से 12वीं कक्षा के 16 छात्रों के एक पेपर की उत्तर पुस्तिका के पन्ने ही फड़वा दिए। इन बच्चों ने महिला शिक्षक से कोचिंग लेने के दबाव को नजरअंदाज कर दिया था। अदालत ने शिक्षक दंपती के कृत्य को आपराधिक करार देते हुए उन्हें पांच-पांच साल की कैद की सजा सुनाई। यह देश में अपने किस्म का अनूठा उदाहरण है, जो किसी भी हद तक जाने को उतारू नजर आते कुछ शिक्षकों के बेलगाम से बन गए कदमों को थामने का काम करेगा। अपनी आर्थिक जरूरतें व महत्त्वाकांक्षाएं हद से ज्यादा बढ़ा देने और फिर इनकी पूर्ति के लिए पथभ्रष्ट होने वालों की लंबी खेप को आगाह करेगा कि किसी दिन जेल की सलाखों के पीछे वे भी हो सकते हैं। ठीक इसी तरह छात्रों पर अपनी कुंठा एवं मानसिक दुर्बलताओं के चलते हिंसा एवं अत्याचार करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं पर भी न्याय व्यवस्था को उचित संज्ञान लेते हुए उन्हें कठोर सजा देनी ही चाहिए। अहिंसा, संतुलन एवं संवेदनाओं को जगाने का जिम्मेदारीपूर्ण दायित्व निभाने वाले शिक्षक को पढ़ाने की जिम्मेदारी तभी दी जानी चाहिए जब वे इसको निभाने में सक्षम हो। अन्यथा दिल्ली के एक प्राथमिक विद्यालय की एक शिक्षिका ने अनियंत्रण होकर जो किया है, उससे बच्ची की मौत हो सकती थी। गनीमत रही कि छत से फेंके जाने के बाद भी बच्ची किसी तरह जिंदा बच गई। स्कूल परिसर में शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों और बर्ताव को लेकर सजग और संयत न रह पाये तो ऐसे शिक्षक को तुरंत इस महत्वपूर्ण दायित्व से मुक्ति दे देनी चाहिए। इस खौफनाक एवं बर्बर घटना के बाद आरोपी शिक्षिका के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया जरूर शुरू कर दी गई है, लेकिन मामले के ब्योरे से प्रथम दृष्ट्या यही लगता है कि एक सामान्य मनोदशा का व्यक्ति किसी बच्चे के प्रति ऐसा बर्ताव नहीं कर सकता। अव्वल तो एक शिक्षक के लिए बच्चों को पढ़ाने-लिखाने के साथ-साथ उनके साथ पेश आने के सलीके का ध्यान रखना जरूरी होता है। यह न केवल पेशागत जिम्मेदारी है, बल्कि कानूनी तौर पर भी बच्चों को स्कूल में पीटना तो दूर, डांटने-फटकने पर भी सख्त मनाही है। अगर कोई शिक्षक इसका ध्यान नहीं रखता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। सवाल है कि एक शिक्षक की जिम्मेदारी और संवेदनाओं को भूल कर कोई व्यक्ति अगर बच्चों के खिलाफ इस तरह के बर्बर व्यवहार करने लगे तो किस कसौटी पर उसे शिक्षक होने के योग्य कहा जा सकता है! ऐसा लगता है कि न नये इंसानों को गढ़ने की सही प्रक्रिया है और न इंसान गढ़ने के प्रति शिक्षक के भीतर सच्ची निष्ठा। ऐसी स्थिति में शिक्षा का दायित्व कैसे अपने मुकाम पर पहुंचे? इसी कारण शिक्षा की सीख एवं साख नहीं बन पा रही है। शिक्षक का दायित्व निभाने वालों की सोच एवं समझ के दायरे बदल गये हैं। शिक्षा के आदर्श, सिद्धान्त एवं शैली के प्रति बनी नई मान्यताओं ने नये मानक बना लिये हैं। सुविधावाद ने दृष्टि एवं दर्शन दोनों को बदल डाले हैं। उपयोगिता एवं आवश्यकता से ज्यादा आकांक्षा को मूल्य मिलने लगा है, इसी कारण शिक्षक का दिल और दिमाग किसी न किसी अपसंस्कार से पीड़ित है और उसकी निष्पत्ति हिंसा, मानसिक असंतुलन, बर्बरता एवं लोभ की शक्ल में सामने आती है। सरकारों की सख्त हिदायतों एवं कठोर कानूनों के बादजूद थोड़े-थोड़े अन्तराल पर ऐसी बर्बर, क्रूर एवं त्रासदीपूर्ण घटनाएं होना चिन्ता का विषय है। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब उत्तर प्रदेश के कानपुर के एक निजी स्कूल में पांचवीं कक्षा के एक छात्र के हाथ पर अध्यापक ने सिर्फ इसलिए छेद करने वाली मशीन चला दी कि वह दो का पहाड़ा नहीं सुना सका था। इसी तरह, कुछ समय पहले राजस्थान में जालौर के एक स्कूल में शिक्षक की पिटाई से एक दलित बच्चे की मौत की खबर सुर्खियों में रही थी। वजह सिर्फ यह थी कि बच्चे ने स्कूल की मटकी से पानी पी लिया था। आखिर शिक्षा के मन्दिर ऐसी घटनाओं से कब तक शर्मसार होते रहेंगे? नई शिक्षा नीति में विषयों व पाठ्यक्रमों का अच्छा समावेश हुआ है, पर शैक्षणिक ढांचे को पूरी तरह हिंसामुक्त, साफ-सुथरा व पारदर्शी बनाने के लिए शिक्षा में घुस आए ऐसे लोगों की धरपकड़ जरूरी है जो शिक्षा प्रणाली एवं प्रक्रिया को दूषित एवं धुंधला करते है। शिक्षा से खिलवाड़ करने वाले ऐसे अपराध तो अक्षम्य ही कहे जाएंगे। शिक्षा से जुड़ी इन समस्याओं को जड़ से खत्म करने के ठोस प्रयास जरूरी हैं। शिक्षा के कर्ताधर्ताओं को ऐसा तंत्र विकसित करना होगा जिसमें बच्चों के साथ भेदभाव के किसी भी प्रयास पर निगरानी रखी जा सके। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि स्कूलों में पढ़ाई पूरी व गुणवत्तापूर्ण हो, प्रभावी एवं सहज हो ताकि ट्यूशन, बर्बरता एवं हिंसक व्यवहार की जरूरत न हो। सरकारी व निजी स्कूलों के शिक्षकों में ट्यूशन की दुष्प्रवृत्ति एवं सजा देने पर अंकुश भी रखना होगा। छात्रों से ज्यादा जरूरी है शिक्षकों का चरित्र विकास। ऐसा होने से ही शिक्षकों में पनप रही हिंसा, अराजकता, एवं महत्वाकांक्षाओं को नियंत्रित किया जा सकेगा। तभी नये भारत एवं सशक्त भारत की ओर बढ़ते देश की शिक्षा अधिक कारगर एवं प्रभावी होगी। उसके लिये शिक्षा-क्रांति से ज्यादा शिक्षक-क्रांति की जरूरत है।

गाय, औषधीय बाग और बच्चों को दे रहे निशुल्क शिक्षा

गरीब कन्याओं की शादियों में श्रीप्रकाश की अग्रणी भूमिका

नर्मदा समय, नितिन श्रीवास

इटारसी। वर्ष 1960 में इटारसी के पंडित द्वारिका प्रसाद भारद्वाज ने जयस्तंभ के पास एक मेडिकल स्टोर चलाने के साथ ही गौ सेवा का संकल्प लिया। आज भले ही इनकी उम्र 93 वर्ष की हो गई हो यह परंपरा को पुत्र रूपी वृक्ष ने फल देना शुरू कर दिया है। एक पुत्र चिकित्सा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचा रहा है तो दूसरा पिता के सपनों को सहेज कर उसे मूर्त रूप प्रदान कर रहा है। आज 16 गायों के साथ औषधीय वृक्ष और देश के विकास में सहायक मुख्य बिंदु शिक्षा की अलख जगा रहा है। पिता ने दोनों पुत्रों को खून पसीने की मेहनत की कमाई से पढ़ा लिखा कर सरकारी पदों तक पहुंचाया। दोनों पुत्र अपने पिता के सपनों को पूरा करने एवं गौ सेवा के साथ ही औषधीय वृक्ष और बच्चों को निशुल्क शिक्षा की अलख जगा रहे हैं। श्रीप्रकाश भारद्वाज बताते हैं कि मेरे 68 वर्षीय बड़े भाई ओम प्रकाश भारद्वाज एमबीबीएस, बाबई में चिकित्सक हैं। मैं सिविल इंजीनियर हूं और दोनों भाई मिलकर अपने पिता के मार्गदर्शन में सारे कार्य करते हैं।

जमीन के बड़े हिस्से में है गौशाला और बाग

50 बाइ 80 के 1 बड़े हिस्से में दो भागकर एक हिस्से में गौशाला और दूसरे हिस्से में औषधीय वृक्ष आज वातावरण को सुगंधित कर रहे हैं। गाय का दूध यह बेचते नहीं है। गिलोय, नीम, बेलपत्र, मुनगा आदि पौधे आज वृक्ष का रूप ले चुके हैं। बिजली-पानी, भूसा, खली, चुनी आदि का विशेष प्रबंध है।

गरीब कन्याओं की शादी में भी सहयोग

साईं कृष्णा रिसोर्ट के सेवक अशोक अग्रवाल बताते हैं कि गरीब कन्याओं के विवाह भी भारद्वाज परिवार के बजट के अनुसार किया जाता है। इसके लिए इटारसी का कोई भी गरीब परिवार उनसे सहयोग के लिए संपर्क कर सकता है।

इटारसी की श्रीजी गौशाला न्यास कॉलोनी में भी भारद्वाज फैमिली गायों की उन्नति के लिए प्रयत्नशील रहती है। उनका मानना है कि बच्चों के जन्म दिवस और वैवाहिक वर्षगांठ कार्यक्रम गायों के बीच मनाने से घर में संपन्नता आती है। सेवक अशोक अग्रवाल ने बताया कि श्री हनुमान कॉम्प्लेक्स के तालाब के सामने पंडित की बिटिया, केसला परिवार के चौधरी की बिटिया, तवानगर के ढेमोले परिवार की बिटिया की शादी कराई गई है। ऐसे ही हर साल कई बिटिया की शादी में भारद्वाज परिवार का आर्थिक सहयोग मिलता रहता है।

मां कमला देवी मिडिल स्कूल में फ्री शिक्षा

30 बाई 80 के जमीन पर 3 मंजिला इमारत में मां कमला देवी मिडिल स्कूल की स्थापना की गई है। इसमें श्रीप्रकाश ने अपने पिता से किराए पर यह भवन ले रखा है। सोच अच्छी हो तो सहयोगी भी उसी व्यवहार के मिल जाते हैं। 6 शिक्षक निशुल्क अपना श्रमदान कर 17 बच्चों को फ्री शिक्षा दे रहे हैं। श्रीप्रकाश कहते हैं कि कोई गरीब बच्चा कभी भी यहां आकर शिक्षा ग्रहण कर सकता है।

बाबूजी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे शिक्षक

मां कमला देवी मिडल स्कूल के शिक्षक मुकेश झा, अलका, हर्षिता, सुनीता मालवीय, प्राची राजपूत आदि ने बताया कि बाबूजी की सार्थक सोच में बतौर सिपाही उनके साथ हम लोग चल रहे हैं। अपना श्रमदान कर बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल करने का एक छोटा प्रयास है।

महिला आश्रय गृह ने दंपत्ति को मिलवाया

हनुमान जयंती पर रेल पटरी के पास दो बेटियों के साथ मिली थी महिला

नर्मदा समय, नितिन श्रीवास

इटारसी। हनुमान जयंती पर पारिवारिक विवादों से तंग होकर एक महिला अपनी दोनों बेटियों के साथ मटकुली के इटारसी आई थी। ओवर ब्रिज के नीचे भूखी प्यासी बेसुध दो बच्चों के साथ बैठी एक महिला पर इटारसी के निवासी मनीष ठाकुर की नजर पड़ी। इन्होंने उसे भोजन कराकर स्वाधार महिला आश्रय गृह भिजवाया। 1 वर्षीय बच्ची सिद्दीका इलाज कराया गया तो यह कुपोषित पाई गई। जबकि दूसरी 4 वर्षीय बच्ची माही को भी तेज बुखार था उसका भी इलाज कराकर उसे स्वस्थ किया गया। यही नहीं महिला भी मानसिक रूप से बीमार थी वह अपना कोई पता भी नहीं बता पा रही थी। इसका इलाज करीब 6 माह तक ग्रह के लोगों द्वारा कराया गया। सोशल मीडिया एवं फेसबुक के माध्यम से इस महिला की फोटो भेज कर परिजनों की तलाश जारी रही। महिला की मानसिक स्थिति में सुधार होने पर पता चला कि इसकी मानसिक बीमारी की दवा चल रही है। मटकुली में पति से विवाद हुआ था और यह अपने बच्चों को लेकर इटारसी आ गई थी। उसके बाद क्या हुआ इसे याद नहीं रहा। बाहर हाल स्वाधार आश्रय गृह ने मटकुली जाकर वहां महिला की फोटो के सहारे पति को खोजने में सफलता पाई। बीते कुछ दिनों पूर्व इसका पति श्री राम बंसल आकर अपनी पत्नी और बच्चों को मटकुली दुर्गा मंदिर पिपरिया ले गया है।

अनाथों की सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है

इस संबंध में मनीष ठाकुर ने बताया कि हनुमान मंदिर के सेवादार लाखन ने मुझे इस महिला और बच्चों की जानकारी दी थी। शायद नाथों की सेवा करने का दायित्व ईश्वर ने मुझे सौंपा है इसलिए निस्वार्थ मैंने अपना कार्य किया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संस्था रखेगी नजर

मुस्कान बालिका गृह की संचालिका रितु राजपूत ने बताया कि 26 वर्षीय नीलम के पिता अशोक बंसल और माता उर्मिला है। काफी इलाज के बाद सुधार हुआ। इनके पति श्री राम बंसल खुद आश्रय गृह आकर अपने भतीजे के साथ पत्नी बच्चों को ले गए हैं। इनकी आगे की गतिविधियों पर भी संस्था वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए नजर रखेगी।

शहर में 1.6 डिग्री चढ़ा रात का पारा, सिहरन बरकरार

भोपाल। वर्तमान में किसी प्रभावी मौसम प्रणाली के सक्रिय नहीं रहने के कारण हवाओं का रुख उत्तरी बना हुआ है। इससे राजधानी भोपाल सहित मध्य प्रदेश के अधिकतर शहरों में रात के समय सिहरन बरकरार है। हालांकि बीचङ्बीच में हवाओं का रुख परिवर्तित होने से मंगलवार को राजधानी के न्यूनतम तापमान में 1.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। उधर मध्य प्रदेश में सबसे कम 5.5 डिग्री सेल्सियस तापमान नौगांव में रिकार्ड किया गया। मंगलवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार को राजधानी का न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। साथ ही यह सोमवार के न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस की तुलना में 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। सोमवार को शहर का अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया था, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम रहा था, लेकिन रविवार के अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस की तुलना में 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा था। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि हवाओं का रुख उत्तरी, उत्तरङ्पूर्वी बना हुई है। इससे वातावरण में सिहरन बनी हुई है। हालांकि एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान और उसके आसपास 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर ट्रफ के रूप में बना हुआ है। काफी ऊंचाई पर होने के कारण इसका उत्तर भारत के मौसम पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ रहा है। उधर उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश पर एक कमजोर प्रति चक्रवात बना है। जिसकी वजह से बीचङ्बीच में हवाओं का रुख बदल रहा है। इससे तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव हो रहा है।

दामनं

कि आज ये धरा, किसी विधवा की भांति
अपनी टूटी हुई चुड़ियों को देख सोचती हैं
कि ये माथे पे सची बिंदिया विधाता ने नही,
अपितु इस वक्त मे मौजूद,
कुछ स्वार्थी जनों ने तोड़ दी।
क्या मेरे दामन में,सिमेटे, पेड़ - पौधों
चलती, मदमस्त पवन इन्हें नही सुहाती
लगता हैं, मेरी ऐसी हालत देख
इन्हें लज्जा नही आती।
मेरी आंखों से बहते अश्रु बेवजह नही ,
मुझे कुरेदा गया भीतर तक,
मेरे एक छोटे से घाव को नासूर बनाया हैं।
दूसरो ने नही, अपनो ने मुझे अहसास दिलाया
मैं हूं मूकबधिर अपाहिज शायद
मेरी कराहती आवाज भी,
किसी के कानों में नही जाती।
मेरे बूढ़े मित्र पीपल की टहनियां
भी झूकने लगी हैं, आज झूलों की रस्सीयां
भी कमजोर हो चली हैं महक माटी की,
कुर्बान कर दी भविष्य की दौड़ में।
खट्टी मीठी इमलियां भी टूट कर, गिरने लगी
अब हवा के संग रेत, स्वाद में मिलने लगी
क्या कहे आज तमाशा बन गई हैं जिंदगी मेरी।
थी, धूप छांव से यारी मेरी बरसो पुरानी
आज धुंध सुबह की, भी आंख को भांति नही
कुछ अवशेष पुराने, चित्र स्मृति पटल पर
बस अब मिटने को हैं।

नीरज चौधरी नीर

आबकारी विभाग की इटारसी शहर में अवैध शराब के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

जप्त सामग्री की अनुमति कीमत कुल 133000/-

नर्मदा समय, प्रदीप गुप्ता

इटारसी। नर्मदापुरम कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में आबकारी दल द्वारा इटारसी शहर के कावड़ मोहल्ला पुरानी इटारसी में सघन गश्त एवं संदिग्ध स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गई। आबकारी टीम द्वारा खेत में बनी एक कमरे से 5 पेटी अंग्रेजी शराब रम एवं 2 पेटी देसी सादा शराब जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34.2(क) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रथम दृष्टया पूछताछ में माइकल उर्फ सूरज चौधरी नामक व्यक्ति का नाम सामने आया है। प्रकरण में विवेचना जारी है शीघ्र आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जावेगा। पिपरिया क्षेत्र आबकारी दल द्वारा पिपरिया के गाँधीवार्ड एवं अंबेडकर वार्ड क्षेत्र ,में सूचना के आधार पर अलग अलग स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गई जिसमें कुल 20 लीटर कच्ची हाथभट्टी शराब 1200कि.ग्रा

लहान जप्त कर मध्यप्रदेश प्रदेश आबकारी अधिनियम की 1915 की धारा 34(1) तहत 03 प्रकरण कायम कर कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। जप्त की गई सामग्री की कुल अनुमानित कीमत133000/-है।आज की कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक सुयश फौजदार, हेमंत चौकसे, मुख्य आरक्षक रामदत्त शर्मा आरक्षक , मदन रघुवंशी दुर्गेश पटेरिया, नगर सैनिक मोहन यादव, सेनिक सियाराम, गोवर्धन पटेल , संतोष आबकारी स्टाफ आदि का सराहनीय योगदान रहा। नर्मदापुरम आबकारी विभाग की अवैध शराब माफियाओं के विरुद्ध इस प्रकार की कार्यवाही या निरंतर जारी रहेंगी।

कलेक्टर ने योजनाओं में समय पर लक्ष्य पूर्ति के दिए निर्देश

जिला अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें: कलेक्टर

नर्मदा समय, प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर नीरज कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमें सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार द्वारा समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति पीपीटी के माध्यम से दिखाई गई। कलेक्टर श्री सिंह ने समीक्षा कर जिला अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर जनसामान्य को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में डिलीवरी पॉइंट्स के संचालन के संबंध में समीक्षा कर सिवनिमालवा ब्लॉक के ग्राम घाना प्रसव केंद्र में प्रशिक्षित महिला कर्मचारी को नियुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चौतलाय ग्राम में डिलीवरी प्वाइंट शीघ्र चालू किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मीजल्स रूबैला अभियान में चिन्हित समस्त हितग्राहियों को एमआर का टीका का लक्ष्य सेकण्ड चरण में पूर्ण किया जाए। बैठक में बताया गया कि क्षय रोग उनमूलन के तहत सोमवार सर्वे दलों को हरी झंडी दिखाकर ब्लाकों में रवाना किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने कुष्ठ एवं अंधत्व कार्यक्रम में लक्ष्य पूर्ति के निर्देश दिए। बैठक में मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु की भी समीक्षा की गई । जिसमें गर्भवती महिलाओ की चौथी जांच समय पर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा महिला बाल विकास अंर्तगत संचालित लाड़ली लक्ष्मी योजना, पोषण आहार, प्रधान मंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा भी की गई । उन्होंने अप्रारंभ 12 आगनवाड़ी केंद्रों को शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए बैठक में जिला पंचायत सीईओ एस एस रावत, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नलिनी गौड, डीपीओ ललित डेहरिया, सिविल सर्जन सहित विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मीनू चौहान अखिल भारत हिंदू महासभा इटारसी नगर अध्यक्ष बनी

नर्मदा समय, प्रवीण गौर

इटारसी। अखिल भारत हिंदू महासभा मध्यप्रदेश नर्मदापुरम संभाग द्वारा इटारसी नगर कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सर्व सहमति से प्रदेश महामंत्री कन्हैया लाल रैकवार, संभागीय संगठन मंत्री डॉ प्रताप सिंह वर्मा, जिला मंत्री ठाकुर भारत सिंह राजपूत, जिला सह मंत्री राजा प्रजापति ने मीनू चौहान को नगर अध्यक्ष नियुक्त किया । साथ ही आशीष प्रजापति को नगर उपाध्यक्ष, प्रमोद शर्मा को नगर सह मंत्री, आकाश मेहरा को नगर सह मंत्री, मनोज भाट को नगर प्रमुख कार्यकारिणी सदस्य अनुराग कुचबंदिया, नगर प्रमुख कार्यकारिणी सदस्य, नरेंद्र प्रजापति को नगर प्रमुख कार्यकारिणी सदस्य पर नियुक्त किया गया।

पूर्व नगर अध्यक्ष उमेश कुमार चौधरी को 2 साल के कार्यकाल पूर्ण करने के पश्चात जिला कार्यकारिणी प्रमुख पद पर नियुक्ति किया गया हैं। जो कि आगे जिलों की प्रमुख बॉडी में मिलकर संगठनात्मक कार्य करेंगे। नवनियुक्त नगर अध्यक्ष मीनू चौहान ने कहा कि वह सभी लोगों को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगी साथ ही हिंदुत्व रक्षा एवं जन जागरण को आगे बढ़ाने हेतु तत्पर रहेंगी ।

भारत में आदिवासी समाज की दशा और दिशा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन हुआ

नर्मदा समय, प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में 16 दिसंबर 2022 को भारत में आदिवासी समाज की दशा और दिशा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ अशोक कुमार पांडे डिविजनल हेड म्यूजियम लार्जेस्ट इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल, विशिष्ट वक्ता प्रोफ़ेसर ध्रुव कुमार दीक्षित समाजशास्त्र विभाग केसरवानी महाविद्यालय जबलपुर, विशिष्ट अतिथि श्रीमती संध्या थापक, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय , अध्यक्ष रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन, संयोजक डॉ कंचन ठाकुर, सहसंयोजक डॉ. हर्षा चचाने, आयोजन सचिव डॉ नीतू पवार, सह सचिव रफीक अली ने मंच पर अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की। मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ एवं कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कुमारी सौम्या कोशिक एवं भाग्यश्री ने सरस्वती वन्दना की एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। प्रेमकांत कटंगकार ने तबले पर एवं हेमंत चौहान ने हारमोनियम पर संगत दी। अतिथियों के स्वागत सत्कार के उपरांत शोध संक्षेपिका का विमोचन किया गया।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने स्वागत भाषण में कहा कि आज के सेमिनार से आदिवासी समाज की दशा एवं दिशा पर अभूतपूर्व जानकारी प्राप्त होगी। आदिवासियों में औषधि ज्ञान विशिष्ट होता है , उनके इस ज्ञान को संग्रहित कर समाज में लाएं तो एलोपैथिक के दुष्परिणाम से बचा जा सकता है। डॉ. जैन ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा आदिवासियों की भोजन संबंधी आदतों की जानकारी प्राप्त कर उनके प्रचलित खाद्य पदार्थों का मूल्य संवर्धन कर उन्हें सुस्वाद बनाकर व्यंजन विधियां विकसित की गई एवं छात्राओं को मार्गदर्शन किया गया।

राजस्व वसूली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों में नर्मदापुरम प्रदेश में अव्वल

30 लाख रुपए की मिलेगी प्रोत्साहन राशि, नगरपालिका के अमले ने कलेक्टर नीरज कुमार सिंह का किया सम्मान

नर्मदा समय, प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। राजस्व वसूली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों में नर्मदापुरम नगरपालिका पूरे प्रदेश में अव्वल आई हैं। नगर पालिका नर्मदापुरम ने एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले निकायों में यह स्थान हासिल किया है। नर्मदापुरम नगर पालिका के प्रशासक रहे एवं कलेक्टर नीरज कुमार सिंह की सतत मॉनिटरिंग और निरीक्षण का परिणाम रहा कि नगर पालिका नर्मदापुरम द्वारा राजस्व वसूली सहित अन्य विभिन्न घटकों में बेहतर कार्य किया गया हैं। कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशन में तत्कालीन प्रभारी सीएमओ एवं तहसीलदार शैलेंद्र बड़ोनिया और नगरपालिका के अमले ने भी राजस्व वसूली के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई। उल्लेखनीय है कि 19 दिसंबर को प्रस्तावित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों के अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। शुक्रवार को नगर पालिका के अमले द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में पुष्पगुच्छ भेंट कर कलेक्टर श्री सिंह का सम्मान और आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा, ओपी रावत, अधीक्षक नगरपालिका प्रशांत जैन, मनोहर सराठे, हरिश गोस्वामी उपस्थित रहें।

निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ

नर्मदा समय, प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम /केसला। जिला आयुष अधिकारी के दिशा निर्देशन में शासकीय आयुर्वेद औषधायल द्वारा ग्राम हिरणचापड़ा में डॉ जयश्री बारस्कर द्वारा आयुष चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

जिसके अन्तर्गत ग्रामीण जनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया ।विधालय व आंगनवाडी के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर अस्वस्थ बच्चों को दवाई वितरित की गई। सभी को होमियोपैथी दवाई एपीटोरियम का वितरण किया गया। रोगियों का वजन, बीपी की जांच की गई। शिविर में वातरोग, स्त्रीरोग, अर्श, कास, श्वास उदररोग प्रतिश्याय, चर्मरोग व अन्य रोगों के कुल 140 रोगियों को निशुल्क दवाई वितरित की गई। मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए गए। योगा, प्राणायाम के महत्व को बताया गया। दिनचर्या, ऋतुचर्या की जानकारी दी गई। औषधीय पौधों की जानकारी दी गई। शिविर में संतोष परते (दवासाज), एएनएम आशा कार्यकर्ता, आगनवाड़ी कार्यकर्ता का सहयोग रहा।

मूल स्थापना को छोड़ अन्यत्र विभागों में सेवाएं दे रहे कर्मचारी कई सालों से अटैचमेंट का दंश झेल रहे नपा कर्मचारी

नर्मदा समय, बबलू निरापुरे

आमला। सरकारी अफसर शासन के नियमों का पालन कितनी संजीदगी से कराते हैं, इसका उदाहरण शहर के नगरपालिका और तहसील में देखा जा सकता है। यहां नगरपालिका के 2 से 3 कर्मचारी पिछले कई सालों से तहसील में अटैच हैं, वह भी मौखिक आदेश पर, जबकि सरकार ने इस नियम को ही खत्म कर दिया है।

हैरानी की बात यह कि इन कर्मचारियों को उनके मूल स्थापना वाले कार्यालय में वापस भेजने की पहल किसी ने भी नहीं की। जिसके कारण इनके मूल स्थान पर कामकाज प्रभावित हो रहा है। जानकारी के अनुसार नगरपालिका आमला के एक शासकीय कर्मचारी के अलावा तीन दैवेभो कर्मचारी तहसील में सेवाएं दे रहे है, जिनका वेतन नगरपालिका से भुगतान किया जा रहा। सूत्र बताते है कि अटैच कर्मचारी भी मौखिक आदेश के कारण मानसिक परेशान है, लेकिन उन्हें मजबूरी में अपना कर्तव्य निभाना पड़ रहा है। बावजूद जिम्मेदार अफसरों को इससे कोई सरोकार नहीं है। इससे समझा जा सकता है कि सरकारी दफ्तरों में लापरवाही किस हद तक चल रही है।

ये कर्मचारी है तहसील में अटैच

नगरपालिका में मूल स्थापना वाले कर्मचारी तहसील कार्यालय में ड्यूटी निभा रहे है। इसमें नगरपालिका में पदस्थ शासकीय कर्मचारी तहसील कार्यालय के निर्वाचन शाखा में कार्य कर रहे है, तो वहीं नगरपालिका में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में पदस्थ ड्रायवर, कम्प्यूटर ऑपरेटर और बाबू तहसील में अपनी सेवाएं दे रहे है। सरकारी अधिकारियों ने जरूरत बताकर कर्मचारियों को भेजे जाने के मौखिक आदेश दिये थे, तब से यह कर्मचारी निरंतर तहसील में ही सेवाएं दे रहे है। इन्हें इनके मूल स्थान पर भेजने के लिए किसी भी अधिकारी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई।

कर्मचारी भी हो रहे परेशान

अटैचमेंट का दंश झेल रहे कर्मचारी भी अपने मूल स्थापना वाले कार्यालय को छोड़कर अन्यत्र कामकाज करने से परेशान है, लेकिन उन्हें मजबूरी में काम करना पड़ रहा है। सूत्र बताते है कि वैसे ही नगरपालिका में कर्मचारियों की कमी है। जिसके कारण नगरपालिका का कामकाज प्रभावित हो रहा है। वहीं अन्य कर्मचारियों पर भी वर्कलोड बढ़ गया है। गंभीर बात यह कि सब कुछ जिम्मेदार अधिकारियों की जानकारी में है, जिसके बाद व्यवस्था सुधारकर नियमों को दुरुस्त करने की ओर कोई ध्यान देने वाला नहीं है।

इनका कहना है

नगर पालिका के तीन कर्मचारी तहसील कार्यालय में कार्य कर रहे है जबकि उनको तहसील में अटैच नही किया गया है कर्मचारियों को नगर पालिका में कार्य करने के निर्देश दिए गए है।

नितिन गाडरे अध्यक्ष नगर पालिका परिषद आमला

तहसीलदार द्वारा पत्र देकर कर्मचारियों की मांग की है नपा अध्यक्ष द्वारा पत्र देकर कर्मचारियों को नपा में कार्य करने के लिए निर्देशसित किया गया है

नीरज श्रीवास्तव
सीएमओ आमला

घायल को 108 एंबुलेंस बुलाकर सरकारी अस्पताल भेजकर परमार्थ किया

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

नर्मदापुरम। एक व्यक्ति जो घायल अवस्था में एसपी बंगले के सामने मूर्छित अवस्था में था उसको सर पर गंभीर चोटे थी इस व्यक्ति को मदन मोहन वर्मा एवं अतुल दुबे स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों ने 108 एंबुलेंस बुलाकर सरकारी अस्पताल रवाना किया। घायल नगर पालिका का सफाई कर्मी बताया जा रहा था। जो कि किसी वाहन से टकराकर घायल अवस्था में रोड पर पड़ा हुआ था। मानवता के हित में उनके द्वारा किया गया कार्य काबिले तारीफ है इस मदद से आमजन को यह प्रेरणा लेना चाहिए कि कभी भी कोई इस अवस्था में हो तो उसकी मदद के लिए आगे बढ़ना

चाहिए। जिससे किसी व्यक्ति की जान बच सके। मदन मोहन वर्मा ने बताया कि इस समय व्यक्ति की मदद कर दी जाए तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती है और यह परमार्थ का कार्य करने में हमें कभी पीछे नहीं हटना चाहिए ।

ग्राम पंचायत भट्टी में पंच समिति की बैठक में अखिलेश पांडे को अध्यक्ष बनाया गया

नर्मदा समय, प्रवीण गौर

इटारसी। ग्राम पंचायत भट्टी ई कक्ष में पंच एवं समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सभी की सहमति से प्रस्तावित नाम अखिलेश पांडे को अध्यक्ष बनाया गया जिसमें पेसा एक्ट के अंतर्गत तीन नई समिति का गठन किया गया। जिसमें 1. समिति ग्राम कोस समिति 2. वन संसाधन समिति 3. ग्राम तदर्थ समिति का निर्माण किया गया जिसमें प्रत्येक समिति में पांच पांच सदस्य रखे गए एवं गांव के सरपंच सीमा वर्मा सचिव शेर सिंह के द्वारा इससे पहले बनाई गई निगरानी समिति के सभी सदस्यों को उनके दायित्व के बारे में बताया गया उप सरपंच सुरेंद्र माहला के द्वारा आगामी योजना के बारे में बात की गई पेसा एक्ट समिति अध्यक्ष उर्मिला मर्सकोले एवं उपाध्यक्ष मनीषा नामदेव ने निगरानी समिति के उद्देश्यों को ग्राम वासियों के समक्ष प्रस्तुत किया इस बैठक में जनपद सदस्य अर्चना महतो सरपंच सीमा वर्मा उपसरपंच सुरेंद्र जी पंच राम कुमार वर्मा एवं सभी पंच एवं सभी समिति के सदस्य मौजूद थे।

आम आदमी पार्टी ने बिजली बिलो की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा

नर्मदा समय, प्रवीण गौर

डोलरिया। आम आदमी पार्टी द्वारा विद्युत विभाग डोलरिया में आ रही बिलो की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जिसका नेतृत्व विधानसभा अध्यक्ष आकाश पाठक द्वारा किया गया जिसमें नीलेश गौर सरपंच सेल जिला सह सचिव लक्ष्मण राजपूत, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अभिनव राजपूत, अतुल गौर, मोनू पाठक, सुनील चौधरी, शिवम राठौर, लालू राजपूत, नितेश कटारे, अभिषेक राजपूत आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रेल यात्री उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य को सौंपा गया ज्ञापन

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ के तत्वाधान में आज इटारसी रेलवे स्टेशन पर रेलवे जनरल मैनेजर जबलपुर के नाम इटारसी स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन के माध्यम से रेलवे जनरल मैनेजर को स्टेशनों एवं ट्रेनों में अवैध वेंडरों को रोकने की मांग की गई जिसमें कहा गया है कि समूचे मध्यप्रदेश के जंक्शन पर अवैध वेंडरिंग एवं रेल यात्रियों से अवैध वसूली महिलाओं द्वारा की जाती है जिसकी वजह से रेलयात्री उपभोक्ताओं को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है एवं खानपान सामग्री भी निम्न क्वालिटी की बेची जाती है मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ द्वारा मांग की गई है कि समूचे मध्यप्रदेश में अवैध वेंडरों पर पूर्ण रूप से लगाम लगाई जाए इस अवसर पर उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा, मुकेश यादव प्रदेश महासचिव मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग रोहित कैथवास जिला सचिव, कपिल यादव,जनपद प्रतिनिधि प्रहलाद आठनेरे, अभिषेक पटेल यूथ जिला अध्यक्ष अभिषेक सक्सेना जिला अध्यक्ष, बसंत आसरे, सारिका ठाकुर प्रदेश सचिव, रुखसाना

खान जिला महामंत्री, मंजू कोरी उपाध्यक्ष, सुरेंद्र नागले, आकाश यादव, प्रदीप बोरवन अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं उपस्थित थे।

CMYK

अंतराष्ट्रीय कथावाचक भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा के श्रीमुख से श्री माँ ताप्ती शिव महापुराण कथा हुई

दुनिया की यह पहली कथा है जिसे हाईवे पर बैठकर लोगों ने सुना

नर्मदा समय, नवील वर्मा

बैतूल। संसार में ऐसा कोई नहीं जन्मा जिसको भगवान ने एक मौका नहीं दिया हो। पाप से बचने के लिए, पुण्य, सदकर्म की ओर बढने् के लिए सभी को एक मौका मिलता है। एक मौका बाबा महादेव ने अपने को भी दिया है। भगवान का भजन करने के लिए। यदि इस मौके को भी हम छोड़ दें तो फिर हमारा मानव देह पाना बेकार है। गुरु के चरणाबिंद में जब हम जाते हैं। सदुरू के पास जब हम पहुंचते हैं तो गुरु ज्ञान के अमृत से विषय के अमृत को काट देता है। क्योंकि वासना, तृष्णा, काम के भाव के जो विषय होते है गुरु उसे ज्ञान से काट देते हैं।

कुंआ है परात्मा का चरणामृत

कुंआ, सरोवर, हैण्डपंप, नदियां, कुंड में एक अंतर है। नदी, समुद्र आपके पास आता है और कुंए के पास हमें जाना पड़ता है। कुआं परमात्मा का चरणामृत, भगवान का भजन, भगवत नाम का स्मरण और कीर्तिन है। इसके लिए हमें परात्मा के चरणों में जाकर बैठना पड़ेगा। क्योंकि यहां से जो बल मिलेगा वह हमारी जिंदगी सवार देगा। उक्त प्रवचन पं. प्रदीप मिश्रा ने कोसमी क्षेत्र में माँ ताप्ती श्री शिवपुराण समिति के तत्वावधान में चल रही श्री शिवमहापुराण कथा के दौरान दिए।

लोगों ने हाईवे पर सुने कथा

पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा कि शायद यह दुनिया की पहली श्री शिवमहापुराण कथा होगी जिसमें लोग हाईवे पर बैठकर कथा सुने। यह लोग मौन है और कथा सुन रहे हैं। सभी अपने-अपने साधन से यहां पहुंचे। जिसको जगह मिल गई वह पंडाल में बैठ गया लेकिन जिसे जगह नहीं मिली वह भोपाल-नागपुर हाईवे पर बैठकर ही कथा को सुना है। यह परात्मा की ही कृपा है। ऐसी कथा सुनने वाले मैं कभी नहीं देखे। लाखों की संख्या में यहां पहुंचकर लोगों ने सुना । उन्होंने कहा कि यह भोलेनाथ की कृपा ही है। सत्ता, वैभव की गर्मी खत्म हो जाती है लेकिन भजन की गर्मी सदा बनी रहती है। आप लोग महादेव की कृपा से ही यहां तक पहुंचे हो।

देख लेता है परमात्मा हमें

पं. प्रदीप मिश्रा ने उदाहरण देते हुए कहा कि एक व्यक्ति शंकर जी के मंदिर में जाकर प्रतिदिन दीया लगाता था। तर्क करने वाले ने कहा कहां जा रहे हो? उसने कहा दीया लगाने के लिए? तर्क करने वाले ने पूछा उससे क्या होता है? इसमें ज्योति कहां से आई बताओ? व्यक्ति दीए को देखा और दीए में फूंक मार दी। इसके बाद उसने तर्क करने वाले ने पूछा दीया क्यों बुझाया? व्यक्ति ने कहा तुम ये बताओ ज्योति बुझी तो कहां गई? तर्क करने वाला वह भी सोच में पड़ गया कि ज्योति को जलाने और बुझाने वाला परमात्मा वही है। हम परात्मा को नहीं देख पाते हैं लेकिन परमात्मा हमें देख लेता है। उसकी चौबीस घंटे दृष्टि हम पर रहती है।

संसार नहीं भगवान को प्रसन्न करो

यदि हम संसार को प्रसन्न करने में लगे रहेंगे तो कुछ भी हासिल नहीं होगा। लेकिन यदि तुम भगवान को प्रसन्न करोगे तो संसार अपने आप तुम्हारा हो जाएगा। इसलिए जितना हो सके भगवान को प्रसन्न करने में लगे रहो। एक भगवान ही है जो कि आपकी सभी प्रकार के दुख-तकलीफों को मात्र एक लोटा जल चढ़ाने से दूर कर सकता है। इसलिए जितना हो सके भगवान को प्रसन्न करने, उसे रिझाने का प्रयास करो। संसार में उलझकर अपना समय बर्बाद मत करो।

पल-पल में रंग बदलता है इंसान

इंसान को हम काम होता है तो हाथ जोडक़र बात करता है लेकिन काम हो जाने के बाद उसका व्यवहार बदल जाता है। वहीं यदि हम कोयल की बात करें तो उसे भी दुख-तकलीफ सभी होती है बावजूद इसके वह अपनी बोली नहीं बदलती। लेकिन सिर्फ इंसान ही ऐसा है जो कि काम निकल जाने के बाद अपना रंग इस कदर बदलता है कि कहा नहीं जा सकता है। पल-पल में बदलने वाला सिर्फ इंसान का ही व्यवहार होता है। पंडित जी ने कहा कि सुख हो चाहे दुख हमेशा एक जैसे बने रहे।

हम परमात्मा को नहीं देख सकते, परमात्मा हमें हर पल देखता है

आपके गले में यदि सोने की चैन पड़ी है, चोर आपको देख ले तो आप इतने लोगों में चोर को नहीं पहचान सकते। चोट्टा खोटी चैन पर हाथ नहीं डालेगा। चोट्टे की नजर सोने की है वह खरे सोने को पहचान लेता है, उसी तरह जब दुनियां में तर्क करने वाले मिलते है, तो तुमकों मार्ग से भटकाते है। कई लोग कहेंगे आज के जमाने में नए तरह के लोग आ गए, नई-नई तरह की बात करेंगे। दिया लगाओ दिल से लगाओ, तर्क करने वाला तर्क कर सकता है। हम चोर को नहीं देख पाते वह हमारे गले की चैन को देख लेता है उसी तरह हम भले ही परमात्मा को नहीं देख पाते पर परमात्मा हमको देख लेता है। एक बार अंगूठा लगा देने से प्रापर्टी हमारी हो जाती है, जरा थम्ब लगा देने से जमीन का टुकड़ा तुम्हारा हो जाता है, केवल एक लोटा जल चढ़ा देने से महादेव तुम्हारा हो जाता है। संसार के लोगों को प्रसन्न करने के लिए आगे मत आओ, भगवान को प्रसन्न करों, जब भगवान पकड़ में आ जाएंगे तो संसार अपने आप पकड़ में आ जाएगा।

पक्षियों से सीखना चाहिए, पक्षी अपना धर्म और भाषा नहीं बदलते

पक्षी अपनी वाणी, शब्द को कभी नहीं बदलता, बैतूल में जैसी कोयल बोलती है वैसी हमारे सीहोर में बोलती है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक कोयल एक जैसा बोलती है, शेर, कौआ, मेढ़क एक जैसा बोलता है पर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक केवल इंसान ऐसा है जो न जाने कैसा-कैसा बोल देता है। हमें पक्षियों से भी सीखना चाहिए कि पक्षी अपनी भाषा, अपना धर्म नहीं बदलता, केवल एक मनुष्य ऐसा है जो बार-बार बदल जाता है। कोयल, कौआ, शेर के जीवन में भी कष्ट आते है पर इन्होंने कभी अपनी वाणी को नहीं बदला, सिर्फ मनुष्य पल-पल में अपनी वाणी बदल लेता है।

चिकित्सा इतिहास में पहली बार हुआ इटारसी में ही घुटने के जोड़ का सफल प्रत्यारोपण

नर्मदा समय, संजय शिल्पी

इटारसी। इटारसी के चिकित्सा जगत में पहली बार शहर के ही किसी अस्पताल में , महानगरों की तर्ज पर,आधुनिक तकनीक से, घुटने के जोड़ का सफल प्रत्यारोपण अर्थात टोटल नी ट्रांसप्लांट, करने का करिश्मा जिले के ही एक युवा सर्जन ने करके दिखाया है। आपरेशन का खर्च भी महानगरों से काफी कम है। जबकि गुणवत्ता उसी स्तर की है। विदेशों में व देश के कई बड़े नामी हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं देने के बाद अब विगत 4 वर्षों से ,अपने माता पिता की इच्छानुसार अपने गृह जिले नर्मदापुरम व गृह नगर होशंगाबाद में चिकित्सा सेवाएं दे रहे डा. उमंग अग्रवाल ने, स्थानीय दयाल हॉस्पिटल, इटारसी की ओ टी में हंसा बेन,उम्र 55 वर्ष,निवासी,मालवीय गंज का यह आपरेशन सफलता पूर्वक संपन्न किया। इसकी जानकारी भी मीडिया को तब दी जब उन्होंने अपने उक्त मरीज को पूरी तरह रिलीफ मिलने की अपनी इस उपलब्धि को कसौटी पर कसकर चेक कर लिया। डा. उमंग अग्रवाल ने बताया कि उक्त मरीज महिला को विगत 10 वर्षों से घुटने के दर्द से काफी तकलीफ थी। वैसे तो मैंने उनको आपरेशन के दूसरे दिन हो चला दिया था। पर आवश्यक व्यायाम के बाद मरीज को अपने घुटनों को मोड़ने में कोई भी दर्द या अन्य कोई परेशानी नहीं हो रही है। वह पुन: सामान्य जीवन जी रही है। आमतौर पर लोगों में अब भी यह गलत धारणा बनी हुई है कि इस प्रत्यारोपण से पुन: नार्मल लाइफ संभव नहीं होती जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। इसके लिए अब महानगरों की तरफ दौड़ लगाने की जरूरत भी नहीं है। क्योंकि ऐसे आपरेशन अब मेरे द्वारा होशंगाबाद व इटारसी में अपने ही संसाधनों से, मरीज की सहूलियत अनुसार किए जा रहे हैं। हंसा बेन ने भी कहा कि आपरेशन के बाद अब उनको बहुत अच्छा फील हो रहा है। घुटने के दर्द से छुटकारा मिल गया है। फिर से सामान्य जीवन हो गया है। ज्ञात रहे कि डा.उमंग ने जब से वे अपने गृह नगर आए,जिले भर में काफी चैरिटी भी की है। इटारसी में ही उनके 4 नि:शुल्क शिविर हो चुके हैं जिनमें उन्होंने करीब 1500 मरीजों का नि:शुल्क परीक्षण कर, मशीन द्वारा हड्डियों में कैल्शियम के घनत्व की जांच भी नि:शुल्क की है,सहभागी संस्था से सभी मरीजों को दवाइयां,इंजेक्शन भी नि:शुल्क प्रदाय कराए हैं। आज भी नर्मदापुरम में उन्होंने हड्डियों में कैल्शियम के घनत्व की जांच सहित परीक्षण का नि:शुल्क शिविर विवेकानंद घाट स्थित अपने हॉस्पिटल अग्रवाल आर्थो केयर में आयोजित किया, जिसमें करीब 350

मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिला। श्री अग्रसेन फ्री डिस्पेंसरी द्वारा यदि किसी जरूरत मंद मरीज को उनके पास रिफर किया जाता है तो उसका परीक्षण भी भी डा. उमंग नि:शुल्क करते हैं।

संयुक्त संचालक शिक्षा ने किया स्कूलों का निरीक्षण

बिना अनुमति के अनुपस्थित रहने पर वेतन काटने के निर्देश

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

नर्मदापुरम। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदापुरम संभाग द्वारा हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी स्कूलों का निरीक्षण किया जा रहा है उसी के तहत शासकीय हाई स्कूल खर खेड़ी शासकीय हाई स्कूल डूडूगाव, शासकीय हाई स्कूल सेल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिसरोद का आकस्मिक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान सभी प्राचार्य से विद्यार्थियों की त्रैमासिक ग्रेड के आधार पर ग्रुपिंग किए जाने विद्यालय में सी डी एवं ई ग्रेड के विद्यार्थियों के लिए रेमेडियल कक्षाएं नियमित रूप से संचालित किए जाने, शैक्षणिक कैलेंडर में निर्धारित इकाई के अनुसार शिक्षण कार्य संचालित किए जाने, विद्यालय में उपलब्ध टेबलेट उपकरण के माध्यम से पढ़ाई कराई जाने, निष्ठा पोर्टल पर शिक्षकों के प्रशिक्षण प्राप्त करने शिक्षक डायरी संधारित किए जाने प्रयोगशाला व्यवस्थित कराए जाने प्रयोगशाला की लाक बुक संधारित किए जाने एवं प्रयोगशाला में प्रैक्टिकल शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार हो रहे हैं या नहीं आदि आवश्यक व्यवस्थाएं समय सीमा में सुनिश्चित किए जाने के संबंध में चर्चा की गई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिसरोद में कक्षा 6 से 12 तक कुल 337 विद्यार्थियों में से मात्र 178 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए कुल 21 शिक्षकों में से 19 शिक्षक उपस्थित पाए गए एवं विद्यालय से बिना अनुमति के अनुपस्थित रहने एवं विद्यालय की अव्यवस्थाओं के संबंध में हुकुमचंद भास्कर प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिसरोद श्रीमती पूनम शर्मा शिक्षक का 1 दिन का वेतन काटने एवं दौलतराम सुनानीया प्रयोगशाला सहायक को प्रयोगशाला व्यवस्थित नहीं पाए जाने के कारण अनुशासनात्मक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए उक्त विद्यालय में शौचालय बहुत बुरी स्थिति में पाए जाने वाला परिसर में साफ सफाई नहीं पाई गई प्रयोगशाला का कोई काम नहीं किया गया शिक्षकों द्वारा डेली डायरी एवं लाग बुक भी संधारित नहीं की गई।

अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में डॉ जयश्री ठाकुर को गोल्ड मेडल अवार्ड मिला

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इंदौर। इंस्टीट्यूट आफ हॉलिस्टिक मेडिसिन द्वारा हॉलिस्टिक मेडिसिन पर पांचवी अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस एवं कन्वोकेशन मैं डॉ जयश्री ठाकुर को हिप्नोथेरेपी में उल्लेखनीय योगदान के लिए गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान इंस्टीट्यूट आफ हॉलिस्टिक मेडिसिन के चेयरमैन डॉ सुधीर खेतावत इंदौर एवं मेहर मास्टर मूस चांसलर, ओपन अल्टरनेटिव यूनिवर्सिटी कोलंबो श्रीलंका द्वारा दिया गया। इन्होंने इंदौर हिप्नो थेरेपी सेंटर इंदौर में कई असाध्य एवं असाध्य रोगियों को रोगों से निजात दिलाई है। उनकी इन विशेष सफलताओं के कारण उन्हें गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया गया । इंस्टीट्यूट आफ हॉलिस्टिक मेडिसिन से डॉ अनीता ठाकुर एवं डॉ रिचा ए मिश्रा द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं।

नर्मदा समय, प्रवीण गौर

डोलरिया। ग्राम पंचायत रोझडा में प्रस्फुटन समिति द्वारा शासकीय आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। जिसमे सभी मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर दवाएं दी गई। शिविर में डॉ मिथलेश उइके, शारदा दुआरा द्वारा जांच की गई। शिविर में अध्यक्ष समिति अध्यक्ष टीकाराम गोर और सचिव बीएचडब्ल्यू की छात्रा अभिलाषा दुआरा ने सहयोग कर सभी मरीजो को दवाई वितरित की। इस शिविर से लोगो की परेशानियां दूर हुई और बीमारी की जांच के लिए कहीं नहीं जाना पड़ा। इस शिविर में अधिक से अधिक महिलाओ और बच्चों ने भाग लिया।

कोरोना एवं ब्लैक फंगस संक्रमण से जीती जंग डॉ प्रताप सिंह वर्मा ने, टॉप हॉलिस्टिक हीलर ऑफ इंडिया सम्मान मिला

नर्मदा समय, नितिन श्रीवास

इटारसी। इंस्टीट्यूट आफ हॉलिस्टिक मेडिसिन द्वारा हॉलिस्टिक मेडिसिन पर पांचवी अंतराष्ट्रीय कांफ्रेंस एवं कन्वोकेशन मैं डॉ प्रताप सिंह वर्मा को टॉप हॉलिस्टिक हीलर ऑफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया । यह सम्मान इंस्टीट्यूट आफ हॉलिस्टिक मेडिसिन के चेयरमैन डॉ सुधीर खेतावत इंदौर एवं मेहर मास्टर मूस चांसलर, ओपन अल्टरनेटिव यूनिवर्सिटी कोलंबो श्रीलंका द्वारा दिया गया । यह अवार्ड प्राप्त कर यह एक्यूप्रेशर के भारत के टॉप टेन एक्सपर्ट शामिल हो गए हैं । इन्होंने कॉन्फ्रेंस मैं अपना शोधपत्र एक्यूप्रेशर चिकित्सा द्वारा माइग्रेन के इलाज को प्रस्तुत किया । गौरतलब है कि इन्हें स्वयं कोरोना वायरस संक्रमण हुआ था और यह ब्लैक फंगस (म्युकरमाइक्रोसिस) की चपेट में आ गए थे तो इन्होंने एक्यूप्रेशर विधि को अपनाकर इससे निजात पाई। इनकी बांयी आंख पर ब्लैक फंगस संक्रमण होने के बावजूद भी इनकी आंख नहीं निकल पाई जो चिकित्सा विज्ञान के लिए एक चमत्कार है। उन्होंने बताया कि एक्यूप्रेशर के एल आई 4-5, टी डब्ल्यू 5, सीवी 1 पॉइंट को इन्होंने ब्लैक फंगस संक्रमण के दौरान दिन में 15 से 20 बार प्रेशर दिया एवं अपने दोनों हथेली को आंखों के ऊपर रखकर रैकी चिकित्सा से प्राण ऊर्जा आंखों में प्राप्त की जिससे इन्हें रोग निदान मैं सफलता मिली। पूर्व में इनके द्वारा मोटापा कम करने एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बढ़ाने के लिए एक्यूप्रेशर चिकित्सा कितनी कारगर है इनके रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए हैं।

स्वर्गीय पत्रकार प्रेमशंकर दुबे का 31 वाँ स्मृति दिवस मनाया गया

पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। मैं कबीर तुलसी का वंशज, दरबारों में नही मिलूंगा सच्ची घटना हूं मैं तुमको, अखबारों में नही मिलूंगा, दिल की हो या अखबारों की हो, दीवारों में नही मिलूंगा, हाथ भले कट जाए मेरे तलवारों में नही मिलूंगा... इन पंक्तियों के साथ आज स्व. प्रेमशंकर दुबे स्मृति पत्रकार भवन में नर्मदापुरम पत्रकार संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा स्व. प्रेमशंकर दुबे जी को श्रद्धांजलि दी गई, साथ ही संघ के अध्यक्ष पत्रकार प्रमोद पगारे के बड़े भाई श्री वीरेंद्र पगारे के निधन पर भी सभी पत्रकारों ने दो मिनिट का मोन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नर्मदापुरम पत्रकार संघ सचिव शिव भारद्वाज, राजेश दुबे कोषाध्यक्ष, सुनील दुबे, रोहित नागे, सुधांशु मिश्र, कृष्णा राजपूत, बसंत चौहान, कन्हैया गोस्वामी, मंजू ठाकुर, गज्जू तिवारी, राजकुमार बाबरिया, मंगेश यादव, इन्द्रपाल सिंह, सुनील दुबे, पुनीत दुबे, गिरीश पटेल, दिलीप शर्मा, शिवांक भट्ट, राहुल अग्रवाल, भूपेन्द्र विश्वकर्मा, राहुल शरण, संजय यादव, बी एल श्रीवास्तव, धनश्याम तिवारी, ब्रज मोहन सोलंकी, राजेश व्यास, किशन चंदवानी, नूतन दुबे, सौरभ दुबे, विनोद कुशवाह, राजेश चौहान के साथ अन्य पत्रकार साथियों ने स्व. प्रेमशंकर दुबे को श्रद्धांजलि दी।

झिलपाग्राम आज भी समस्याओं से जूझ रहा है

नर्मदा समय, नवील वर्मा

तहसील शाहपुर से मात्र 12 किलोमीटर दूर स्थित काटावाडी पंचायत में आने वाला यह झिलपाग्राम आज भी समस्याओं से जूझ रहा है। यहां की सबसे बड़ी समस्या सड़क मार्ग है। वहां के ग्रामीणों से जब बात हुई। तो मचल पन्द्राम वरिष्ठ ग्रामीण ने बताया की, हमारे यहां बरसों से आने जाने और परिवहन के लिए कोई सुचारू सुव्यवस्थित मार्ग नहीं है। और हम बीमारी के समय, डिलीवरी के समय, और कोई अचानक समस्या आ जाए। तो उस समय हमें बहुत परेशानी होती है ।और हम विशेषकर बारिश में रोड हमारे लिए बंद हो जाते हैं। एक मार्ग मात्र ग्राम बांका भरदा से होते हुए जाता है। इस मार्ग से जाने पर हमें 7 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है ।शासन कि यदि माचना नदी पर पुल निर्माण कर हमारे ग्राम को काटावाडी के मुख्य मार्ग से जोड़ दें। तो हम मात्र 1 किलोमीटर में काटावाडी के मुख्य मार्ग पर पहुंच जाते हैं। और यह माचना नदी जो बारिश में हमारा रास्ता रोकती है। पानी अधिक होने के कारण। वह भी हमारी समस्या पुल निर्माण के बाद समाप्त हो जाएगी। और हमारा जीवन स्वस्थ सुचारू सुंदर हो जाएगा। और इसी ग्राम के युवा रजनीश कुमरे ने बताया की हमारे ग्राम की सबसे बड़ी समस्या है ।हमने सभी शासन-प्रशासन और विधायक महोदय ,सांसद महोदय, सभी को अपनी समस्याओं के बारे में अवगत कराया है।

रेल डिब्बे में ट्राई साइकिल समेत जाने में दिव्यांग अक्षम

इटारसी स्टेशन पर है दिव्यांग रैंप, आज तक नहीं दी गई सुविधा

नर्मदा समय, नितिन श्रीवास

इटारसी। दिव्यांगों के उत्थान और उनकी हौसला अफजाई के लिए भले ही रेलवे विभाग ने ट्रेन में यात्रा के लिए किराए में छूट, मदद के लिए एक व्यक्ति फ्री जैसी सुविधा दे रखी है। लेकिन रेल डिब्बों में आज तक विशेष एंजरी से ग्रसित दिव्यांग मरीजों को चढ़ने के लिए ट्रेन के एक डिब्बे का निर्माण आज तक नहीं किया गया है।

यदि प्रत्येक ट्रेनों में एक ऐसा डिब्बा लगा दिया जाए जिसमें ऑटोमेटिक दोनों तरफ रैंप खोलकर ट्राई साइकिल समेत दिव्यांग को अंदर जाने और बाहर उतरने में किसी असुविधा का सामना ना करना पड़े। यही नहीं यह रैंप भी एयरपोर्ट पर उतरने और यात्रियों के चढ़ने वाले रैंप की तरह होना चाहिए। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म तक ट्रेन के दिव्यांग डिब्बे का रैंप खुलना चाहिए। इस तरह दिव्यांग को ना तो भीड़ का सामना करना पड़ेगा और ना ही उन्हें शौचालय के पास ट्राई साइकिल के साथ खड़े होकर यात्रियों की बेइज्जती झेलनी पड़ेगी।

इटारसी रेलवे स्टेशन पर अब दिव्यांगों को मिलेगी रैंप की सुविधा

नर्मदा समय संवाददाता के पूछने पर स्टेशन प्रबंधक में सन्नाटा छा गया। स्टेशन प्रबंधक देवेंद्र चौहान ने पहले तो इस बिंदु पर बड़ा आश्चर्य व्यक्त किया। वही इस कक्ष में बैठे स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य विकास सिंह संवाददाता को लेकर वाणिज्य प्रबंधक कक्ष पहुंचे। यहां पर एक रैंप काफी पीछे धूल खा रहा था। इसे कर्मचारी द्वारा बाहर निकाल कर दिखाया गया। उन्होंने समस्त स्टाफ को निर्देश देकर दिव्यांगों को ट्राई साइकिल सहित ट्रेन में बैठने और उतारने के लिए इसका निशुल्क प्रयोग कराने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि एक कर्मचारी यह रैंप लेकर दिव्यांग को चढ़ने और उतरने में सहयोग करेगा।

इटारसी में पांच दिव्यांग खिलाड़ी की छूट चुकी ट्रेन, नहीं खेल पाए मैच

नीलेश यादव, डेनीपाल मधु, सुनील मेहरा, सुभाष डोंगरे एवं हसन का जीवन ट्राई साइकिल पर ही व्यतीत होता है। कम संसाधन में व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा की बदौलत इटारसी का नाम रोशन कर चुके हैं। रैंप की सुविधा ना होने के बावजूद यह लोगों के सहारे ट्राई साइकिल टेढ़ी कर किसी तरह शौचालय के पास खड़े होकर गंतव्य स्थल तक पहुंचते हैं। उतरने के वक्त भी इन्हें दूसरों के रहमोंकरम की आवश्यकता पड़ती है। इन खिलाड़ियों ने बताया कि यह सुविधा नहीं मिलने से कई बार मैच खेलने की मनसा महज सपना बनकर रह चुकी है। बसों में भी यह सुविधा नहीं होने के कारण काफी मायूसी होती है। छिंदवाड़ा, छतरपुर, जबलपुर आदि स्थानों पर यदि ट्राई साइकिल से सड़क के रास्ते जाए तो समय और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित होगा। उसके बाद थके हारे खिलाड़ी बेहतर खेल प्रदर्शन आखिर कैसे कर पाएंगे।

इटारसी रेलवे स्टेशन के चारों प्रवेश बाउंड्री पर एंगल भी रुकावट

इटारसी रेलवे स्टेशन पर प्राइस साइकिल सहित स्टेशन में प्रवेश का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। स्टेशन में प्रवेश के चारों रास्तों पर लोहे के बड़े-बड़े एंगल लगाए गए हैं। एक रास्ता जीआरपी की तरफ से है लेकिन यहां पर भी डिवाइडर दिव्यांगों के प्रवेश में बाधक है। जिससे इन्हें टिकट भी खरीदने में दिक्कत होती है।

नर्मदा समय, नवील वर्मा

घोड़ाडोंगरी। घोड़ाडोंगरी विधानसभा के प्रमुख आदिवासी नेताओ ने आज आदिवासी समाज में पेसा एक्ट व डिलस्टिंग की जनजागृति लाने हेतु कार्ययोजना बनाई इस हेतु सभी नेता गणो ने जंगल मे बैठक आयोजित की तथा आगामी दिनों का प्रवास कार्यक्रम तय किया इस हेतु 16 बिंदुओं पर विचार कर घोड़ाडोंगरी विधानसभा में वर्तमान राजनैतिक स्थिति की समीक्षा की बहुत जल्दी सभी नेता गण जनजाति ग्रामो का दौरा प्रारम्भ करेंगे सभी नेताओ ने पेसा एक्ट लागू करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर सतपुड़ा की वादियों में वन भोज का कार्यक्रम भी हुआ इस अवसर पर पूर्व सरपंच अनुसुचित जनजाति मोर्चा जिला महामंत्री राधेश्याम उइके, पूर्व सरपंच पूर्व अनुसुचित जनजाति मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेन्द्र उइके,पूर्व भाजपा जिला महामंत्री जनपद सदस्य भूरेलाल चौहान,अनुसुचित जनजाति मोर्चा प्रदेश मंत्री दीपक उइके,भाजपा मंडल अध्यक्ष शाहपुर मनीष कुमरे, विभाग शरीरिक प्रमुख राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ बुधपाल ककोडिया, विद्या भारती कार्यकर्ता अनिल उइके, युवा मोर्चा जिला महामंत्री सरपंच संतोष टेकाम, पूर्व सरपंच भाजपा मंडल महामंत्री अरविन्द धुर्वे, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश परते उपस्थित रहे।

इटारसी नगर मंडल की भाजपा महिला मोर्चा की परिचयात्मक बैठक सम्पन्न और किया हितग्राही बहनों का सम्मान

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। दिनाँक, 14 दिसंबर दिन बुधवार को इटारसी नगर मंडल जिला नर्मदापुरम की महिला मोर्चा की परिचयात्मक बैठक आज पत्रकार भवन में आयोजित की गई ,जिसमें मुख्य अतिथि महिला मोर्चा की यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया, महिला मोर्चा की ऊर्जावान जिला अध्यक्ष अर्चना पुरोहित, नगर मंडल अध्यक्ष जोगिंदर सिंह, महिला मोर्चा प्रभारी एवं जिला मंत्री ममता मालवीय, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष जागृति आशीष भदोरिया, नगर मंत्री सीमा सोनी, नगर मंत्री विधि पचोरी, पार्षद एवं जल विभाग सभापति गीता पटेल के विशेष उपस्थिति में संपन्न हुई। प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया एवं जिला अध्यक्ष अर्चना

पुरोहित ने आगामी कार्यक्रमों को लेकर दिशा निर्देश दिए शासन की योजनाओं जिसमें लाडली लक्ष्मी योजना एवं हितग्राही सम्मेलन को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई माया नारोलिया ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का कार्यकर्ता होना ही हमारे लिए गौरव की बात है। इस कार्यक्रम में हमारी सभी पदाधिकारी बहने उपाध्यक्ष राजकुमारी वर्मा, अनीता राजपूत, भारती पांडे, महामंत्री हेमलता कदम, आशा राव, मंत्री रानी रजक, मीनाक्षी राजपूत, आरती बस्तबार ,कोषाध्यक्ष संगीता मालवीय , सह कोषा अध्यक्ष रेखा नायक, कार्यालय मंत्री सुष्मिता दुबे, सह कार्यालय मंत्री मालती मोहरे, मीडिया प्रभारी नीतू सराठे, सह मीडिया प्रभारी ज्योति राठौड़, सोशल मीडिया प्रभारी सरला लोट, सह मीडिया प्रभारी माधुरी गौर, कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा बरगले, भावना सुनेरिया, पुष्पा विश्वकर्मा, रीना गौर, लीला जोशी, रश्मि दुबे, ममता पटेल, मनीषा शर्मा, सुषमा राजपूत, दीपा पाराशर, अंबिका सोनी, रजनी रैकवार एवं सभी सदस्य बहने वरिष्ठ कनिष्ठ कार्यकर्ता बहने, लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ लेने वाली बहने, उज्जवला योजना का लाभ लेने वाली बहने ,आवास योजना का लाभ लेने वाली बहने ,आयुष्मान कार्ड का लाभ लेने वाली हितग्राही बहने उपस्थित रहे कार्यकारिणी सदस्य पूजा मस्के द्वारा संचालन एवं कोषा अध्यक्ष संगीता मालवीय द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

ऊर्जा साक्षरता पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

नवील वर्मा

शाहपुर। शासकीय महाविद्यालय शाहपुर में ऊर्जा साक्षरता अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को ऊर्जा बचत एवं नवीन ऊर्जा के स्त्रोत की खोज करने संबंधी प्रेरक जानकारी प्रदाय की गई। संस्था के प्राचार्य प्रोफेसर एम.डी. वाघमारे ने अपने उद्बोधन में बताया कि परिवार में एल.ई.डी बल्ब लगाकर मकान की खिड़कियों को खुला रखकर तथा सौर ऊर्जा से संचालित वाटर हीटर एवं सौर चलित मोटर पंप को कृषि क्षेत्र मैं बढ़ावा देकर बिजली खपत का भार कम किया जाना संभव है। इसकी जानकारी व प्रचार प्रसार जन जन तक किया जाने हेतु संस्था में अध्ययनरत विद्यार्थियों को आगे आना आवश्यक है। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ शीतल चौधरी ने विद्यार्थियों से कहा कि बिजली की बचत ही बिजली का उत्पादन है इसलिए अपने स्वभाव में ऊर्जा संरक्षण को अपनाएं उन्होंने प्रति शनिवार महाविद्यालय परिसर में नो-व्हीकल डे का पालन करने पर जोर दिया। उन्होने बताया कि संस्था में बिजली का अपव्यय करने वालों के लिए सर्व सम्मति से अर्थदंड की व्यवस्था निर्धारित की गई।

स्वात्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-प्रताप सिंह वर्मा के लिए ''दिशागोचर प्रकाशन'', 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी.नगर, ज़ोन-1 भोपाल से मुदित एवं लाइफ लाइन भवन शिवराजपुरी कॉलोनी इटारसी जिला नर्मदापुरम 461111 म.प्र. इटारसी से प्रकाशित किया। नोट:- सभी विवादों के निराकरण के लिए न्यायक्षेत्र नर्मदापुरम जिला न्यायालय रहेगा। मोबाइल नं-: 7974372722